मसीह की दुल्हन कहाँ है और कहाँ होगी

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

हममें से कई लोग योसेफ की कहानी जानते हैं। हम जानते हैं कि वह याकूब के पुत्रों में से एक था और अपने पिता का अत्यधिक प्रिय था। लेकिन जब उसने भविष्यद्वाणी वाले सपने देखना शुरू किया, तो उसके भाइयों में ईर्ष्या पैदा हुई और अंततः उन्होंने उसे विदेशी लोगों, मिस्रवासियों, को गुलाम के रूप में बेच दिया।

जैसे ही हम पढ़ते हैं, हमें पता चलता है कि मिस्र में रहते हुए ईश्वर योसेफ के साथ थे और उन्होंने उसे हर कार्य में सफलता दिलाई। अंततः वह फ़राओ के बाद दूसरे पद पर पहुँच गया, जो मिस्र का शासक था। कोई भी फ़राओ तक योसेफ के माध्यम के बिना पहुँच नहीं सकता था। फ़राओ ने मिस्र के सभी धन और मामलों को उसके हाथ में सौंप दिया। [याद रखें, उस समय मिस्र पृथ्वी का सबसे शक्तिशाली साम्राज्य था, जैसे आज संयुक्त राज्य अमेरिका को देखा जा सकता है।]

लेकिन योसेफ का जीवन गहरा आध्यात्मिक रहस्य और चर्च के लिए संदेश रखता है। योसेफ हमारे प्रभु यीशु मसीह का प्रतीक है, और फ़राओ हमारे स्वर्गीय पिता का प्रतीक। योसेफ के ग्यारह भाई यहूदियों (इस्राएल) का प्रतीक हैं, जबकि मिस्र, वह विदेशी भूमि जहाँ योसेफ को शरण मिली, गैर-यहूदियों (जातियों के बीच) में चर्च का प्रतीक है। योसेफ की पत्नी, असेनथ, फ़राओ के शाही घराने की एक मिस्री महिला, मसीह की शुद्ध दुल्हन का प्रतीक है।

मसीह की दुल्हन कहाँ है और कहाँ होगी

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

जिस प्रकार योसेफ को उसके अपने भाईयों ने ईर्ष्या और अवहेलना की और उसे गुलामी के लिए बेच दिया, उसी प्रकार प्रभु यीशु को उनके अपने लोगों, यहूदियों, ने अस्वीकार किया। वह उनके लिए लंबे समय से प्रतीक्षित मसीहा के रूप में आए, लेकिन जब उन्होंने स्वयं को परमेश्वर का पुत्र घोषित किया, तो उन्होंने उसे तिरस्कार किया, उस पर साजिश रची और उसे क्रूस पर चढ़ाने के लिए रोमन साम्राज्य को सौंप दिया। यह कार्य वास्तव में “मसीह को गैर-यहूदियों को बेचने” के समान था।

इसलिए, प्रेरितों के कार्य में हम पॉलुस और बरनाबास को यहूदियों से कहते हुए पाते हैं:

प्रेरितों के कार्य 13:46–49

“तब पॉलुस और बरनाबास ने साहसपूर्वक उत्तर दिया, ‘हमें पहले आप लोगों को परमेश्वर का वचन कहना आवश्यक था; लेकिन आप इसे अस्वीकार करते हैं और अपने आप को जीवन के योग्य नहीं मानते, इसलिए अब हम गैर-यहूदियों की ओर मुड़ते हैं। क्योंकि प्रभु ने हमें ऐसा आदेश दिया है: ‘मैं तुम्हें जातियों के लिए उजाला बनाता हूँ, कि तुम धरती के छोर तक उद्धार पहुँचाओ।’ जब गैर-यहूदियों ने यह सुना, तो वे खुश हुए और प्रभु के वचन का सम्मान किया; और सभी जिन्हें अनंत जीवन के लिए चुना गया था, विश्वास करने लगे। और प्रभु का वचन पूरे क्षेत्र में फैल

मसीह की दुल्हन कहाँ है और कहाँ होगी

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

गया।”

देखिए, मसीह पहले अपने लोगों के लिए आए, लेकिन उन्होंने उन्हें अस्वीकार किया। उस समय तक परमेश्वर ने गैर-यहूदियों को स्वयं नहीं प्रकट किया था; अनुग्रह केवल इस्राएल को दिया गया था। इसलिए यीशु ने कहा:

मत्ती 15:24

“मैं केवल इस्राएल के खोए हुए भेड़ों के लिए भेजा गया हूँ।”

लेकिन उन्होंने उन्हें अस्वीकार किया, जैसे योसेफ के भाईयों ने उसे अस्वीकार किया, इसलिए यह अनुग्रह हम गैर-यहूदियों (मिस्र द्वारा प्रतीकित) पर विस्तृत किया गया।

योसेफ की कहानी में एक और छिपा सत्य यह है कि सभी मिस्रवासियों ने वास्तव में योसेफ पर विश्वास नहीं किया, भले ही फ़राओ ने किया। सात वर्षों के सुख-समृद्धि के दौरान, योसेफ ने उस अकाल के लिए तैयारी की जिसे उसने देखा था, लेकिन अधिकांश मिस्रवासियों ने उसकी चेतावनी गंभीरता से नहीं ली। यदि वे लेते, तो अकाल के

मसीह की दुल्हन कहाँ है और कहाँ होगी

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

समय उन्हें अपने खेत और संपत्ति भोजन के लिए बेचने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ता। योसेफ उन्हें स्वतंत्र रूप से मदद करता। उनका अविश्वास उन्हें महंगा पड़ा।

यह आज के कई ईसाइयों की स्थिति को दर्शाता है। उन्होंने मसीह को स्वीकार किया है, फिर भी वे आने वाली आध्यात्मिक अकाल – महान पीड़ा के समय – के बारे में उनकी चेतावनियों की उपेक्षा करते हैं।

वह अकेली व्यक्ति जो उस अकाल में पीड़ा में नहीं रही, वह थी योसेफ की पत्नी, क्योंकि वह शाही महल में उसके साथ रहती थी। वह उसका हृदय जानती थी और उसके रहस्यों को साझा करती थी। ध्यान दें, योसेफ ने अपनी पत्नी स्वयं नहीं खोजी; फ़राओ ने उसे दिया। यह खूबसूरती से दिखाता है कि मसीह की दुल्हन, चुने हुए लोग, पिता द्वारा मसीह को दी जाती है।

याद रखें: उनके बीच जो खुद को ईसाई कहते हैं, दो समूह हैं – मसीह की दुल्हन (सच्ची पत्नी) और साथियों या सेवकों का समूह। वे मत्ती 25 में बुद्धिमान और मूर्ख कन्याओं के समान हैं। दोनों समूह अंत समय में मौजूद हैं, लेकिन केवल बुद्धिमान कन्याएं – सच्ची दुल्हन – ही उठाई जाएंगी।

जैसे योसेफ पूरे मिस्र पर शासन करता था और अकाल के समय भोजन

मसीह की दुल्हन कहाँ है और कहाँ होगी

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

प्रदान करता था, वैसे ही यीशु मसीह सर्वोच्च रूप से शासन करेंगे। आने वाली महान पीड़ा के समय, आधे-अधूरे ईसाई जो तैयार होने चाहिए थे कठिनाई का सामना करेंगे, जबकि दुल्हन स्वर्ग में वर के साथ दूल्हे के भोज में आनंदित होगी।

जैसे ही योसेफ के भाई भोजन की तलाश में मिस्र आए, यह संकेत था कि अकाल वास्तव में शुरू हो गया है। उसी तरह, आज हम सच्चे परमेश्वर के वचन के लिए बढ़ती आध्यात्मिक भूख देख रहे हैं। यहूदी, जो सदियों से अपने मसीहा का इंतजार कर रहे थे, अब धीरे-धीरे यह समझ रहे हैं कि कोई और मसीहा आने वाला नहीं है। वे पहचानना शुरू कर रहे हैं कि जिसे उन्होंने अस्वीकार किया वह पूरी दुनिया की आशा है।

जब वह दिन आएगा जब इस्राएल वास्तव में पश्चाताप करेगा, जान लें: महान पीड़ा शुरू हो चुकी है और अनुग्रह का द्वार गैर-यहूदियों के लिए बंद होगा। जैसे योसेफ के भाई उसके सामने रोए, वैसे ही इस्राएल मसीह के लिए रोएगा।

जकर्याह 12:10–11

“और मैं दाऊद के घर और यरूशलेम के निवासियों पर अनुग्रह और प्रार्थना की आत्मा उड़ेल दूँगा; और वे उस पर दृष्टि

मसीह की दुल्हन कहाँ है और कहाँ होगी

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

डालेंगे जिसे उन्होंने भेदा है, और उसके लिए विलाप करेंगे
जैसे कोई अकेले बेटे के लिए करता है, और उससे कड़वी शोक करेंगे जैसे कोई पुत्र के लिए करता है। उस दिन यरूशलेम में विलाप उतना बड़ा होगा जितना कि मेगिदो के मैदान में हदाद रिम्मोन का विलाप था।”

उसके बाद केवल कुछ ही वर्ष बचेंगे जब अंतिम सात वर्षों का अंत होगा और हमारी जानी-पहचानी दुनिया समाप्त हो जाएगी। उस समय पृथ्वी पर अभूतपूर्व पीड़ा होगी। फिर सभी राष्ट्र अंततः यह पहचानेंगे कि यीशु मसीह कोनों का पत्थर हैं, जिसे निर्माणकर्ताओं ने अस्वीकार किया। हर जीभ स्वीकार करेगी कि स्वर्ग और पृथ्वी में सभी अधिकार उसी के हैं और उसके बाहर कोई उद्धार या अनंत जीवन नहीं है, जैसे मिस्र ने समझा कि सभी संसाधन और अधिकार योसेफ को दिए गए थे।

आप देख सकते हैं कि हम किस समय में जी रहे हैं। इस्राएल फिर से उठ रहा है। जल्द ही उनकी आँखें पूरी तरह से खुलेंगी और वे यीशु मसीह को प्रभु के रूप में पहचानेंगे।

तो मेरे मित्र, अपने आप से पूछें: क्या आप उस मसीह की दुल्हन में होंगे जो महान पीड़ा शुरू होने से पहले उठाई जाएगी? आप प्रभु यीशु को केवल एक साधारण व्यक्ति के रूप में देखते हैं या अपने राजा के रूप में? याद रखें, जेल में योसेफ वही नहीं था जो महल

मसीह की दुल्हन कहाँ है और कहाँ होगी

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

में था। उसी तरह, क्रूस पर यीशु वही नहीं हैं जो आज महिमामय प्रभु हैं। बाइबल कहती है कि अब वह अपरिग्रहनीय प्रकाश में बैठे हैं और उनके शब्द सत्य और जीवन हैं।

यदि आप अभी तक उनके शाही परिवार का हिस्सा नहीं बने हैं – यदि आप जल और आत्मा से पुनर्जन्मित नहीं हुए हैं – तो आप आने वाली पीड़ा से नहीं बच पाएंगे और दूल्हे के भोज में भाग नहीं ले पाएंगे।

ऐसी महिमा को क्यों चूकें? आज पश्चाताप करें। प्रभु की ओर मुड़ें और उसे अपने पापों को धोने दें। वह आपको अपनी दुल्हन में गिना जाने का अनुग्रह देगा।

एंट्रीप्शन किसी भी दिन हो सकती है।

ईश्वर आपको आशीर्वाद दें!

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp